VIDEHA / 2026

नाटक-कथा-संसार

गजेन्द्र ठाकुरक १२ टा मैथिली नाटकक कथा-सार

गजेन्द्र ठाकुर

मूल मैथिली खण्ड

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अनुक्रमणिका

१. अपाला आत्रेयी

२. भऽ जाएब छू

३. दानवीर दधीची

४. गंगा ब्रिज

५. जलोदीप

६. कमलाक भगता

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अनुक्रमणिका

७. मचण्ड

८. संकर्षण

९. उल्कामुख

१०. व्याप्ति

११. जे नाम पोथीमे नहि

१२. पानिक लेखा

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नाटक / 01

१. अपाला आत्रेयी

नाटक-कथा-संसार

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

१. अपाला आत्रेयी

ऋषि अत्रिक पुत्री अपालाक विद्याध्ययन, त्वक्-रोग, वैवाहिक जीवनक संकट आ ऋचा-द्रष्ट्रीक रूपमे हुनकर प्रतिष्ठा एहि नाटकक कथासूत्र थिक। अपालाक जीवनमे शारीरिक पीड़ा आ सामाजिक दृष्टिक द्वन्द्व क्रमशः तीव्र होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य एक

आमक गाछीमे अपाला अक्षराभ्यास कऽ रहल छथि। ओ वेदमन्त्रसँ अपरिचित अछि, मुदा अध्ययनक उत्कट इच्छा रखैत अछि। अपालाक जिज्ञासु व्यक्तित्व आ आश्रमक शिक्षापरम्पराक परिचय एहि भेटसँ होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य दू

उपनयन संस्कारक उपरान्त अत्रि अपाला आ आन विद्यार्थीक समक्ष सावित्री मन्त्रक अर्थ बुझबैत छथि। अपाला उच्चारणक दोष आ दृष्टिक दोषक तुलना करैत छथि। एहि दृश्यसँ स्पष्ट होइत अछि जे अपालाक विद्या केवल मन्त्र कण्ठस्थ करब धरि सीमित नहि अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य तीन

अत्रि वैद्यसभसँ अपालाक त्वक्-रोगक सम्बन्धमे विचार करैत छथि। मासोमास औषधि आ लेपक प्रयोगक बादो रोग दूर नहि भेल अछि। वैद्य अपालाक दृढ़ मनक चर्चा करैत छथि। अत्रिक चिन्ता केवल रोग नहि, रोगक प्रति समाजक व्यवहार सेहो अछि। विवाहयोग्य अपाला लेल ओ एहन वर चाहैत छथि जे हुनकर विद्याकेँ महत्त्व दय। वैद्य कृशाश्वक नाम सुझबैत छथि; हुनकर गुण आ वृद्ध माता-पिताक सेवाक उल्लेख करैत छथि। अत्रि हुनकर परिवारसँ सम्पर्क साधबाक निर्देश दैत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य चारि

आश्रममे अपाला आ कृशाश्वक विवाहक अनुष्ठान होइत अछि। कृशाश्वक विनम्रता आ भव्य व्यक्तित्व देखितो अपालाक मनमे आशंका अछि जे पति हुनकर विद्या आ आत्माकेँ देखताह अथवा त्वचाक दागकेँ। ऋषिमण्डली आ अग्निक साक्ष्यमे अत्रि पाणिग्रहण करबैत छथि। अपालाक केशक जूहीमाला खसि पड़ैत अछि। उत्सवक बीच अपालाक अन्तर्द्वन्द्व भविष्यक वैवाहिक संकट दिस संकेत करैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य पाँच

पतिगृहमे अपाला वृद्ध सासु-ससुरक सेवा आ वेदाध्ययन दुनू जारी रखैत छथि। अपाला एहि दृष्टिक प्रतिवाद करैत छथि। ओ अपमान सहि पतिगृहमे रहबाक बदला अपन पिताक तपोवन लौटबाक निर्णय करैत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य छअ

अपाला अग्निहोम, इन्द्रक उपासना आ मन्त्रजपमे लीन छथि। धार लग भेटल सोमकेँ इन्द्र लेल अर्पित करबाक संकल्प करैत छथि। हुनकर प्रार्थनामे पिताक मस्तक, खेत आ अपन शरीरक उर्वरताक आकांक्षा एक संग अबैत अछि। रथ, युग आ सूर्यसमान त्वचाक उल्लेखसँ ऋचाक वैदिक बिम्ब मूर्त होइत अछि। अपाला शारीरिक शुद्धिक संग दृष्टिक शुद्धिक आवश्यकता प्रतिपादित करैत छथि। निजी वेदना एतय ऋचा आ साधनाक स्वर ग्रहण करैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य सात

महायज्ञ समाप्त भेलाक बाद ब्रह्मोदय सभामे अपालाक ऋचापर विचार होइत अछि। कृशाश्व अपन संकुचित दृष्टि लेल क्षमा चाहैत छथि, मुदा अपाला हुनकर अधिकारक दाबी अस्वीकार करैत छथि। अपालाक उपलब्धि पतिक पुनर्प्राप्ति नहि, अपन विद्या, ऋचा आ आत्मसम्मानक स्वतन्त्र प्रतिष्ठा थिक।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नाटक / 02

२. भऽ जाएब छू

नाटक-कथा-संसार

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

२. भऽ जाएब छू

बाल चौबटिया-सड़क नाटकमे मनुष्य, जीव-जगत, ऊर्जा आ कल्पनाक सम्बन्ध बच्चा आ पैघ कलाकारक खेलक माध्यमसँ उपस्थित होइत अछि। पर्यावरणक संकटकेँ दर्शकक सहभागिता आ सामूहिक प्रतिज्ञासँ जोड़ल गेल अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

भाग १ : सृष्टिक पात्र सभ

सूत्रधार चौबटियापर लोककेँ घेरा बना नाटक देखबाक आमन्त्रण दैत छथि। कलाकारक आठ पात्र ओम, आस्था, जयन्त, अपाला, विजय, विजया, नेकलाल आ रामवती क्रमशः चिड़ै, चुनमुनी, गाछ, वृक्ष, सूर्य-तरेगण, चन्द्रमा, भूत-प्रेत आ कल्पनाक प्रतीक बनैत छथि। ई खेल आगाँ ऊर्जा, ताप आ प्रकाशपर बहसक आधार बनैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

भाग २ : विज्ञान आ कल्पना

वृद्ध नेकलाल अपन वैज्ञानिक प्रयोगमे प्रकाशक अपेक्षा अत्यधिक ताप उत्पन्न होयबाक बात करैत छथि। गाछ बनल जयन्त-अपाला अपन एकाकी अवस्थाक कारण मनुष्य द्वारा वनक कटान बतबैत छथि। प्रकृतिक अवलोकन, कल्पना आ व्यवहारक अभाव विज्ञानक अपूर्णताक रूपमे सोझाँ अबैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

भाग ३ : प्रतिज्ञा

गाछसभ गीत आ नृत्यक माध्यमसँ भोजन, ताप, फल, फूल, छाँह आ साँसक सम्बन्ध बुझबैत अछि। खोंखी, गीत आ जड़ि कटबाक बिम्बसँ पृथ्वीक संकट मंचपर आकार लैत अछि। शीर्षकक विनाशसूचक कथन जड़ि बचयबाक सामूहिक संकल्पमे बदलि जाइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

३. दानवीर दधीची

नाटक-कथा-संसार

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

३. दानवीर दधीची

नाटक दधीचीक दानकेँ ज्ञानक मुक्त वितरण, प्रतिज्ञाक पालन आ सत्यक रक्षासँ जोड़ैत अछि। मधुविद्याक पात्रता आ सत्ताक एकाधिकारक प्रश्न कथाक केन्द्रमे अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

प्रथम दृश्य

महर्षि दध्यङ आथर्वन दधीची अपन तपोवनमे योग्य जिज्ञासुक प्रतीक्षामे छथि। दधीची हुनकर भोगासक्ति आ अहंकारक कारण पात्रतापर सन्देह करैत छथि, मुदा अपन प्रतिज्ञाक पालन लेल मधुविद्या दैत छथि। ओ आन ककरो मधुविद्या देलापर दधीचीक मस्तक काटबाक धमकी दैत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य दू

आश्विन बन्धु दधीचीक आश्रममे आबि अपन सेवाकार्य आ मधुविद्याक पात्रताक चर्चा करैत छथि। घोड़ाक मस्तक धारण कऽ दधीची हुनका सभकेँ मधुविद्याक उपदेश दैत छथि। दधीची हुनका ज्ञानकेँ अधिकार नहि, सेवा बनयबाक सीख दैत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य तीन

वृत्र आ शम्बरक आक्रमणसँ संकटग्रस्त इन्द्र पुनः दधीचीक सहायता चाहैत छथि। दधीची रक्षाकेँ शस्त्रक धर्म बतबैत छथि, दंभकेँ नहि। नाटकक निष्कर्ष अछि जे दधीचीक महानता ज्ञान, सत्य आ प्रतिज्ञाक रक्षामे निहित अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नाटक / 04

४. गंगा ब्रिज

नाटक-कथा-संसार

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

४. गंगा ब्रिज

स्वतन्त्रताक बादक विकास-स्वप्न, अभियान्त्रिकी शिक्षा, ठेका-व्यवस्था, श्रमिकक प्राण आ सत्ताक गठजोड़ एहि नाटकक कथावस्तु थिक। मरम्मत होइत पुलक दृश्य अतीतक निर्माणकथाकेँ वर्तमानसँ जोड़ैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

भाग १ : सपना आ शुरुआत

पल्लव एक

गंगा ब्रिजक मरम्मत करैत मजदूर आ मजदूरक आवश्यकता बतबैत ढोलहो देनिहारसँ नाटक आरम्भ होइत अछि। सरकार के थिक, सरकारी अधिकारी आ सामान्य लोकक सम्बन्ध की थिक, ई बहस उठैत अछि। एक शिक्षक बड़का बान्ह आ उद्योगक पक्ष रखैत छथि, दोसर विकासक सामाजिक प्रभावक प्रश्न उपस्थित करैत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

भाग २ : निर्माणक कठिनाइ

पल्लव एक

बच्चासभक शपथक बाद दृश्य समयमे आगाँ बढ़ैत अछि। ठेकेदार कहैत अछि जे एहि मानकक पालन भेलापर कमीशन देब कठिन भऽ गेल। मजदूरक हथौड़ी आ डंकाक ध्वनि एहि वार्तालापक बाद फेर वर्तमानमे लौटा दैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पल्लव दू

अभियान्त्रिकी महाविद्यालयक दीक्षान्त समारोहमे शिक्षक देशक आर्थिक-मानसिक स्वतन्त्रता आ अभियन्ताक जनकल्याणकारी दायित्वक चर्चा करैत छथि। पैघ परियोजना बनाम स्थानीय परिस्थितिक अनुकूल निर्माणक प्रश्न उठैत अछि। मेडल पओनिहार अभियन्ता गुणवत्तापूर्ण काज, लोकक जीवन आ जलनिकासक चिन्ता करैत छथि। हुनकर मित्र सफलता, प्रभाव आ पदक वास्तविक राजनीति बुझबैत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

भाग ३ : स्वार्थ आ समझौता

पल्लव दू

मित्रक मतमे साधारण परिवारसँ आयल अभियन्ताकेँ सत्ता प्राप्त करबाक अछि, जखन कि ओकरा अपन परिवारक विद्यमान सत्ता बचयबाक अछि। अभियन्ता एहि समझौताकेँ स्वीकार नहि करैत छथि। एहि दू दृष्टिकोणक चर्चा डंका बजेनिहार लोकसभ आगाँ बढ़बैत छथि। एक्के स्कूल, कॉलेज आ समाजसँ एहन दू तरहक विद्यार्थी निकलैत अछि—एक सत्ता बनबाक आकांक्षा रखैत अछि, दोसर लोकक पक्षमे रहबाक। घर-पड़ोस आ शिक्षाक प्रभावपर प्रश्न करैत दृश्य समाप्त होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पल्लव तीन

गाम लौटला अभियन्ताक स्वागत हुनकर माए, कनियाँ काकी आ ग्रामीण करैत छथि। माए पतिक अभावमे बेटाक कठिन अध्ययनक स्मरण करैत छथि। स्थानीय विधायक आवश्यक कागजपर हस्ताक्षर नहि कएने छलाह, तथापि अभियन्ता पढ़ाइ पूरा केलनि। ग्रामीण लेल गामक पहिल अभियन्ता बनब गर्वक विषय अछि। छोट पुल आ सड़क निर्माणक स्थानीय योजना सोझाँ अबैत अछि। लोक अपन खेतक माटि दऽ श्रमदान करबाक लेल तैयार होइत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

भाग ४ : बलिदान आ पतन

पल्लव तीन

माए आ पत्नी अभियन्ताकेँ अपन प्राण तथा परिवारक चिन्ता करबाक आग्रह करैत छथि। अभियन्ता जनसमर्थन आ सत्यक प्रति निष्ठाकेँ अपन बल मानैत छथि। ग्रामीण कोदारि लऽ काजमे जुटैत छथि आ अभियन्ता नाप-जोख आरम्भ करैत छथि। एहि सामुदायिक निर्माणक दृश्य आगाँ आबयवला ठेका आ सत्ताक भ्रष्टाचारक विपरीत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पल्लव चारि

पटनामे मुख्यमंत्री मुख्य अभियन्तासँ गंगा नदीपर पुल निर्माणक लेल प्राप्त निधि आ निविदाक विषयमे बात करैत छथि। मुख्य अभियन्ता कमीशनपर सहमति बनबाक सूचना दैत छथि। सक्षम अभियन्ताक नियुक्ति सेहो एहि व्यवस्थाक आवश्यकता मानल जाइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पल्लव पाँच

निर्माणस्थलपर अभियन्ता घटिया सामग्री, सुरक्षाक अभाव, श्रमिकक मृत्यु, घायलक उपचार आ आश्रित परिवारक अनुकम्पाक प्रश्न उठबैत छथि। अभियन्ता सम्मानक हिस्सा लेबाक बदला मृत्यु आ भ्रष्टाचारक जिम्मेदारीसँ अलग रहय चाहैत छथि। मुख्य अभियन्ता चुनाव आ जनसमर्थनक कारण बदली करबाक असमर्थता बतबैत छथि आ अन्तमे हुनका बाट बदलबाक चेतावनी दैत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पल्लव छअ

मुख्यमंत्री आ मुख्य अभियन्ता ईमानदार अभियन्तासँ छुटकारा पयबाक उपायपर विचार करैत छथि। बदली, भ्रष्टाचारक आरोप, प्रत्यक्ष हत्या आ आत्महत्याक झूठा प्रचारक सम्भावना उठैत अछि। अभियन्ताक ईमानदारी आ लोकसमर्थन एहि सभ उपायमे बाधा बनैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

भाग ५ : स्मृति आ प्रश्न

पल्लव छअ

दुनू सत्ताधारी हत्याकेँ दुर्घटनाक रूप देबाक षड्यन्त्र रचैत छथि। मुख्य अभियन्ता अपन पूर्व सहपाठीक क्षमता आ मित्रताकेँ स्मरण करितो कुर्सीक हितकेँ प्रधानता दैत छथि। निजी परिचय आ शिक्षाक साझा आदर्श सत्ता-स्वार्थक सोझाँ पराजित होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पल्लव सात

अभियन्ताक शवक सोझाँ हुनकर पत्नी, बच्चा, माए, पैघ भाए आ ग्रामीण विलाप करैत छथि। बाल्यकालक तेसर बच्चा आब मजदूर बनि लौटैत अछि। श्रमिकक असुरक्षा आ अभियन्ताक मृत्यु एक्के व्यवस्थाक दू परिणामक रूपमे सोझाँ अबैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पल्लव आठ

सेवानिवृत्त मुख्य अभियन्ताक लिखल ‘गंगा ब्रिज’ नामक पोथीक लोकार्पण पूर्व मुख्यमंत्री करैत छथि। मजदूर पुछैत अछि जे मारल गेल लोकसभक विवरण कतय भेटत। ईमानदार अभियन्ता द्वारा जगाओल आशा आ ओकर हत्या लोकस्मृतिक प्रश्न बनि रहि जाइत अछि, जखन कि सत्ताधारी आत्मप्रशंसामे मग्न छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नाटक / 05

५. जलोदीप

नाटक-कथा-संसार

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

५. जलोदीप

बाढ़िमे परिवार गमओनिहार बच्चाक अनुभवसँ जलनिकासी, राहत, निर्माणक जवाबदेही आ लोकभागीदारीक कथा विकसित होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पूर्वदृश्य

चारू दिस पानि आ बचाउ-बचाउक पुकार अछि। एक बच्चा बाढ़िसँ निकलि हाथ बढ़बैत अछि। ओ अपना सुरक्षित होयबाक बात कहैत अछि, मुदा परिवारक विषयमे ओकर वाक्य पूरा होयबासँ पहिने अन्हार पसरि जाइत अछि। एहि अधूरा वाक्यक अर्थ पहिल अङ्कमे खुलैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य १

अङ्क १ : बाढ़िक अन्हार

लोक ऊँच ठाम आश्रय लय दौड़ैत छथि। छहर आ बान्हपर पानिक दबावक चर्चा होइत अछि। झंझारपुर दिस बान्ह टूटबाक आ अपन इलाका बचयबाक लेल दोसर दिसक बान्ह काटि देबाक अफवाह अबैत अछि; ओकर सत्यतापर सन्देह सेहो व्यक्त होइत अछि। नाव, रस्सी, लालटेन आ सूखल अन्नक अभाव अछि। नाव कागजपर किनल गेल छल, मुदा गाम नहि पहुँचल। एहि परिस्थितिमे बच्चा आ वृद्धसभकेँ बचयबाक प्राथमिकता सोझाँ अबैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य २

अङ्क १ : बाढ़िक अन्हार

चौकीपर चौकी गेटि चारि बच्चा आश्रय लेने अछि। तीन बच्चा खेलैत अछि, मुदा चारिम अपन घरक लोक बाढ़िमे गमा देबाक कारण शोकाकुल अछि। ओकर घरक दीवार सुरक्षित अछि, परिवार नहि। साथीसभ ओकर इच्छानुसार खेल खेलबाक प्रस्ताव रखैत अछि। ओ बाढ़िक कारणकेँ दैवी विधान नहि, मानवीय काजक परिणामक रूपमे देखैत अछि आ बान्ह तथा ऊँच सड़ककेँ पहाड़ मानि खेल आरम्भ करबाक प्रस्ताव दैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य १

अङ्क २ : पहाड़क खेल

कटोरी, लोटा, कपड़ा, माटिक ढेला, काठी आ थारीसँ बच्चासभ नदी, गाम, खेत, बान्ह आ राजमार्गक नक्शा बनबैत अछि। नक्शापर पानि ढारलापर सड़कक एक दिस पानि अटकि जाइत अछि। बच्चासभ देखैत अछि जे पर्याप्त निकास नहि रहने सड़क गामकेँ जोड़बाक बदला बाँटि सकैत अछि। गलत स्थानपर बनल वा गाद-कूड़ासँ बन्द पुलिया पानिक राह नहि दऽ सकैत अछि। खेलमे बान्ह पहाड़ आ गाम घाटीक रूप लैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य २

अङ्क २ : पहाड़क खेल

तीन लोक बच्चासभक खेल देखैत छथि। पहिने हँसी करैत छथि, फेर अपन खेतमे सड़कक कारण पानि अटकबाक वास्तविक अनुभव बतबैत छथि। पंचायतमे जलनिकासक व्यवस्था होयबाक दावा कएल गेल छल, मुदा नालाक मुँह बन्द छल। चारिम बच्चा अपन पिताक बात स्मरण करैत अछि जे सड़क आ बान्ह बनबैत काल नदीक प्राकृतिक साँस नहि रोकबाक चाही। एहि तरहें खेल लोकक अनुभवक परीक्षण बनैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य १

अङ्क ३ : लोकक खेल

मुखिया राहत लेल क्षतिग्रस्त परिवारक सूची बनयबाक घोषणा करैत छथि। भीड़ तत्काल नाव, भोजन आ दवाई चाहैत अछि। ठेकेदार बाढ़िक कारण असाधारण वर्षा बतबैत छथि। ग्रामीण पाँच वर्षमे बेर-बेर बाढ़ि आ कागजी मरम्मतक प्रश्न उठबैत छथि। बच्चासभ बन्द पुलिया, पानिमे डूबल घर आ गलत नक्शाकेँ जमीनपर देखाइत प्रमाणक रूपमे सोझाँ रखैत अछि। भीड़ पानिक बाट खोलबाक माँग करैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य २

अङ्क ३ : लोकक खेल

अभियंता बुझबैत छथि जे नदीक पुरान बाट बन्द होयब, पोखरि भरब, निचला भूमिपर बसावट, ऊँच सड़क आ अपर्याप्त जलनिकास मिलि बाढ़िक जाल बनबैत अछि। समाधान बिना बुझने बान्ह वा सड़क काटब नहि, वरन् समुचित योजना, प्राकृतिक जल-विस्तारक स्थान, पर्याप्त पुलिया आ नालाक नियमित सफाइ थिक। गामक लोक निर्माणक मानक, संख्या आ रखरखावक जाँच कऽ सकैत छथि। स्थानीय अनुभव आ अभियान्त्रिक ज्ञानक मेलक प्रस्ताव अबैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य १

अङ्क ४ : जलोदीप

रातिमे पानिक आवाजक बीच बच्चासभ अन्हारसँ डरैत अछि। ओ सभ तैरैत दीप जरयबाक उपाय करैत अछि। चारू दीप क्रमशः घर, फँसल वृद्ध, डूबल खेत आ चारिम बच्चाक पिताक स्मृतिसँ जुड़ैत अछि। दीप केवल उजास नहि, पानिक बाट नहि रोकबाक सन्देशकेँ मोन रखबाक माध्यम बनैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य २

अङ्क ४ : जलोदीप

जलोदीपक उजास दिस ग्रामीण अबैत छथि। मुखिया स्वीकारैत छथि जे बाढ़ि गेलाक बाद समस्या बिसरि जायब अनुचित अछि। राहत, जल-पथक नक्शा, सड़क-बान्हक निरीक्षण, सार्वजनिक निर्माणक हिसाब, बच्चाक सुरक्षा-शिक्षा, नालामे कूड़ा नहि फेकब, बरखा पूर्व सफाइ आ विकासमे जलनिकासक अनिवार्यता—आठ गोट संकल्प बनैत अछि। लोकसभक करुणा सामूहिक निर्णयमे परिणत होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य १

अङ्क ५ : नबका बिहान

भोरमे पानि कनेक कम अछि। रस्सी, दवाई आ भोजनक टोली बनैत अछि। अभियंता वृद्ध लोकसँ नदीक पुरान बाट पूछि नक्शा बनयबाक निर्णय करैत छथि। ग्रामीण गाद हटयबाक, तारीख सहित फोटो सुरक्षित करबाक आ भविष्यक निर्माणसँ पहिने निकास तथा रखरखावक हिसाब देखबाक संकल्प करैत छथि। ठेकेदार कमी देखबाक आश्वासन दैत छथि; चारिम बच्चा कमी सुधारबाक आग्रह करैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य २

अङ्क ५ : नबका बिहान

बच्चासभ फेर नक्शा बनबैत अछि, मुदा एहि बेर नदीक बाट खुलल अछि, सड़कक नीचाँ चौड़ा निकास, बान्हक संग निगरानी, पोखरि आ ऊँच आश्रय-स्थल अछि। जलोदीप स्मृतिक प्रतीक बनैत अछि। पानि अथवा विकास अपनेमे शत्रु नहि; अवरुद्ध जलपथ आ अन्ध विकास संकट उत्पन्न करैत अछि। बच्चा आ भीड़ दीपक संग मंचपर आगाँ अबैत अछि। शोकसँ आरम्भ भेल कथा सामूहिक सुधारक दिशामे बढ़ैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

६. कमलाक भगता

नाटक-कथा-संसार

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सूत्रधारक भूमिका

सूत्रधार संस्कृत साहित्यक एक प्रसिद्ध कथापर आधारित छोट बाल नाटकक परिचय दैत छथि। ककरो काजक कारण बुझने बिना ओकर नकल नहि करबाक प्रश्न उठबैत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य १

एक भिखमंगा गाममे घुमि पुरान कपड़ा, अन्न आ पैसा माँगैत अछि। एक वृद्धा ओकरा कपड़ा आ भोजन दैत छथि; एक नव कमौनिहार पैसा दऽ मेहनतिक मोल बुझबैत छथि। घरपर भिखमंगा अपन अर्जित पैसा गनैत अछि। अनेक वर्षक बचत एक चुकड़ीमे जमा भेल अछि। ओ कमलाक भगता बनि जनकपुर जाय चाहैत अछि। एहि यात्रामे ओकर बचत आ आस्था दुनू संग अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य २

कमला नदीक तटपर स्नानसँ पहिने भिखमंगा अपन पाइक चुकड़ी बालुमे नुकबैत अछि। स्नानसँ घुरल भिखमंगा अनेक एकरूप शिवलिंगमे अपन बचतक स्थान नहि चीन्हि पबैत अछि। अन्तिम सामूहिक कथन प्रश्न, समझ आ तकर बाद कर्मक पक्षमे अछि; नाटक भक्ति नहि, अन्धानुकरणक आलोचना करैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

७. मचण्ड

नाटक-कथा-संसार

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

७. मचण्ड

तमिलभाषी मुतालिफ, भाषा-अनुवादक, खुफिया अधिकारी आ आतंकी नेतृत्वक बीच भाषाक दूरी, न्याय, बेरोजगारी, मादक पदार्थक कारोबार आ राज्य-व्यवस्थाक प्रश्न उठैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क १

अदालतक हाजतमे मुतालिफकेँ खुफिया अधिकारी भोजनक पैकेट पठबैत छथि। अधिकारी मानैत छथि जे मुतालिफ मुख्य अपराधी नहि, तस्कर हबीबुल्लाक जालमे फँसल एक साधारण युवक अछि। हबीबुल्लाक विरुद्ध पर्याप्त प्रमाण नहि भेटबाक बातसँ आतंकी नेतृत्वक पूछताछक प्रसंग आगाँ बढ़ैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क २

खुफिया अधिकारी आ बन्दी आतंकी लीडरक बीच दीर्घ बहस होइत अछि। अधिकारी बेरोजगार युवकक शोषण तथा मादक पदार्थक कारोबारसँ हुनकर भविष्य नष्ट होयबाक विरोध करैत छथि। बहस ‘मचण्ड’ शब्दक प्रयोग दुनू पक्ष लेल कएल जायबासँ चरमपर पहुँचैत अछि; सिद्धान्त आ हिंसाक सम्बन्धक प्रश्न अनुत्तरित रहैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क ३

अधिकारी अपहृत भऽ अचेत अवस्थासँ होशमे अबैत छथि। अधिकारीक पूर्व धारणा डगमगाइत अछि। होश अयलापर ओ स्थानीय पुलिसक सहायतासँ अपन विभागसँ सम्पर्क स्थापित करैत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क ४

अधिकारी अपन पहिल यात्राकेँ निरर्थक मानैत छथि। वरिष्ठ अधिकारी कहैत छथि जे मुतालिफ हुनकर प्राण बकसि हुनका पराजित कएलक। अधिकारी मुतालिफक कथन स्मरण करैत छथि आ एहि अनुभवमे एकटा कथाक कथानक देखैत छथि, जाहिमे मुतालिफ नायक भऽ सकैत अछि। मुदा नायक बनब आ बचि जायब एक बात नहि थिक। पहिल अङ्कक भोजनक पैकेट अन्तिम दृश्य धरि करुणा आ मानवीय गवाहीक प्रतीक बनि रहैत अछि। नाटक न्याय आ सुरक्षाक प्रश्नकेँ केवल गिरफ्तारी वा विजयमे समाप्त नहि करैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नाटक / 08

८. संकर्षण

नाटक-कथा-संसार

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

उपक्रम

संकर्षण अपन सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़यबाक लेल अपमानकेँ सत्कार, भयकेँ बुद्धिमत्ता आ ठकानकेँ उपलब्धि कहैत छथि। गामसँ दिल्ली धरिक यात्रामे हुनकर बनौटी आत्मविश्वास क्रमशः टूटैत अछि। उपक्रममे दिल्लीक चोर-बजारक जुत्ताकेँ हुनकर आत्मबोधक निमित्तक रूपमे चिह्नित कएल गेल अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क १ : कलक्टरक बहन्ना

पहिल कल्लोल : प्रतिष्ठाक बीआ

भाष्कर दलानपर बैसल छथि। संकर्षण जिला कार्यालयमे अटकल काजक समाधान करा देबाक दाबी करैत छथि। कलक्टरसँ अपन घनिष्ठता, घंटो बैसारी आ हुनकर आग्रहक वर्णन करैत छथि। मुदा कलक्टरक नामक आगाँ लिखल भारतीय प्रशासनिक सेवाक संक्षिप्त रूपकेँ नामक अंश बुझैत छथि। भाष्कर हुनका ओकर अर्थ बुझबैत छथि। संकर्षणक प्रभावक दाबी आ वास्तविक परिचयक अभावक बीचक अन्तर एतहिसँ स्पष्ट होय लगैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क २ : बंगाली बाबूक सीख आ कलक्टरक चैम्बर

पहिल कल्लोल : प्रतिष्ठाक बीआ

भाष्करक बाबूजीक संगी आ बंगाली बाबूक बातचीतमे कठिन समयमे सहायता माँगय आयल व्यक्तिक प्रति सहानुभूतिक आवश्यकता अबैत अछि। भाष्कर कलक्टरसँ काजक गप कऽ रहल छथि। भाष्कर एहि अपमानक साक्षी छथि, मुदा संकर्षण हुनका चीन्हि नहि पबैत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क ३ : तीन टा कारी कुकुरक खिस्सा

पहिल कल्लोल : प्रतिष्ठाक बीआ

गाम लौटि संकर्षण दावा करैत छथि जे कलक्टर हुनका आग्रहपूर्वक रोकने छलाह। मुदा प्रत्येक अपन संग घटल दुर्व्यवहारकेँ मित्रक समक्ष बड़ सत्कार कहैत अछि। अन्तमे दुनू मित्र भुज्जा खाइत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क १ : पसीझक काँटक दंभ

दोसर कल्लोल : झूठ जड़ि पकड़ैत अछि

जयरामक बच्चा ननकिड़बाक बोखार आ रद्द-दस्तक समाचार सुनि संकर्षण पसीझक काँटक रस पिययबाक सलाह दैत छथि। ओ अपन ज्ञानपर एतेक भरोस करैत छथि जे बिना योग्यताक उपचार सुझबैत छथि। नित्या काका जयरामकेँ रोकैत छथि। ओ स्मरण करबैत छथि जे ओही पदार्थसँ संकर्षण पहिने पोखरिक माछ मारि देने छलाह। नित्या काका बच्चा लेल उचित औषधि अनयबाक मार्ग सुझबैत छथि। संकर्षणक दंभ एतय आनक जीवनकेँ संकटमे डालि सकैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क २ : पंचैतीक दण्ड

दोसर कल्लोल : झूठ जड़ि पकड़ैत अछि

डीहपर महीँस चरबैत संकर्षण गामक समाचार पुछैत छथि। हुनका बुझाओल जाइत अछि जे डिहबारक स्थानपर पंचैती बैसल अछि। पंचसभ हुनकर अनुचित सलाहक निन्दा करैत छथि आ दण्ड लगबैत छथि। संकर्षण अपन गलती स्वीकार करैत छथि, कंठी लेबाक आ दोसर दिन धरि दण्ड चुकयबाक वचन दैत छथि। मुदा एहि स्वीकृतिक गहराइ अगिला अङ्कमे परीक्षित होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क ३ : कंठी हाथमे, कोदारि हाथमे

दोसर कल्लोल : झूठ जड़ि पकड़ैत अछि

खेत दिस जाइत संकर्षण आरीपर एकटा रोहु देखैत छथि आ कोदारिसँ ओकरा दू टुकड़ा कऽ दैत छथि। कंठी धारण कएने संकर्षणकेँ माछ लऽ जाइत देखि गोनर प्रश्न करैत छथि। संकर्षण पहिले सम्बन्धक सम्बोधनपर आपत्ति करैत छथि, फेर तर्क दैत छथि जे माछ खायब छोड़ने छथि, मारब नहि। बाहरी धार्मिक आचरण आ वास्तविक व्यवहारक अन्तर एहि हास्यपूर्ण प्रसंगमे प्रकट होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क ४ : टेलीफोन डायरीक भय

दोसर कल्लोल : झूठ जड़ि पकड़ैत अछि

गोनर झा टेलीफोन डायरीमे एक नम्बर ताकि रहल छथि। संकर्षण हुनका डराबैत छथि जे एतेक नम्बर राखलापर पुलिस सन्देह कऽ सकैत अछि आ आतंकवादी कहि जेल पठा सकैत अछि। गोनर भयभीत भऽ अपन डायरी फाड़ि दैत छथि। संकर्षणक निराधार कथन दोसर मनुष्यक सामान्य व्यवहार आ उपयोगी सम्पर्कक विवरण नष्ट कऽ दैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क १ : घटकक चिकनी बात

तेसर कल्लोल : बियाह आ बड़ाइक बजार

संकर्षणक पिताक दलानपर घटकसभ अबैत छथि। ओ सभ हुनकर रूप-रङ्गक बड़ाइ कऽ वैवाहिक सम्बन्धक अनेक सम्भावना देखबैत छथि। चूड़ा-दही-मधुर आ शरबतसँ हुनका सभक सत्कार होइत अछि। दिल्लीसँ लाल काकाक फोन आबि एक कन्यागतक आगमनक सूचना भेटैत अछि। परिवारक प्रतिष्ठा-मोह आ घटकक अतिशयोक्तिपूर्ण वचन विवाहक सामाजिक व्यवहारकेँ हास्यक रूप दैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क २ : सासुरसँ आगमन आ रङ्गक दंभ

तेसर कल्लोल : बियाह आ बड़ाइक बजार

सासुरसँ लौटला संकर्षणसँ गोनर हुनकर कनियाँक विषयमे पुछैत छथि। संकर्षण पत्नीक सौन्दर्यक तुलना चलचित्रक अभिनेत्री हेमामालिनीसँ करैत छथि, मुदा बेर-बेर कहैत छथि जे कनियाँक रङ्ग हुनकासँ कनेक गहिर छन्हि। एहि तुलनामे पत्नीक सौन्दर्यक प्रशंसासँ बेसी अपनाकेँ श्रेष्ठ देखयबाक प्रवृत्ति प्रकट होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क ३ : गोबर आ दुलारक प्रश्न

तेसर कल्लोल : बियाह आ बड़ाइक बजार

गोनर गोबर काढ़ि रहल छथि। ओ संकर्षणसँ पुछैत छथि जे हुनको घरमे ई काज करय पड़ैत छन्हि अथवा नहि। पत्नी उपस्थित रहने संकर्षण तत्काल उत्तर नहि दैत छथि। असगर भेटलापर ओ विवाहमे पाइ देबाक पुरान प्रथाक चर्चा कऽ दावा करैत छथि जे हुनका पाइ नहि देबय पड़ल, तैं कनियाँ ओतेक दुलारू नहि छथि आ हुनका गोबर काढ़य नहि पड़ैत छन्हि। नेपथ्यसँ पत्नीक स्वर हुनकर दंभक प्रतिवाद करैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क ४ : गुरक चाह आ जगन्नाथक कुसियार

तेसर कल्लोल : बियाह आ बड़ाइक बजार

गोनर सर्दीक समय गुरक चाह पीबाक आग्रह करैत छथि। संकर्षण गोनरक तीर्थमे एक फल छोड़बाक पूर्व कथनक अनुकरण करैत छथि। ओ कहैत छथि जे जगन्नाथपुरीमे कुसियार छोड़ने छथि, तेँ कुसियारसँ बनल गुरक चाह नहि पीबि सकैत छथि; चुकन्दरक चीनी बला चाह चाही। एहि प्रसंगमे प्रतिष्ठा लेल धार्मिक निषेधक बनौटी प्रदर्शन हास्य उत्पन्न करैत अछि। समय बीतैत अछि आ दुनू मित्र उमेरगर भऽ जाइत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क ५ : बेटाक पलायन

तेसर कल्लोल : बियाह आ बड़ाइक बजार

संकर्षणक जवान बेटा घर छोड़ि भागि जाइत अछि। ओ लाल काका द्वारा विवाह कराओल जयबाक स्मरण करैत छथि, मुदा विवाहक बाद परिवारक जिम्मेदारीक वास्तविकता सोझाँ अबैत अछि। गोनर अनुमान करैत छथि जे बेटा दिल्ली गेल होयत। संकर्षण बेटाकेँ ताकय आ आवश्यकता पड़ला पर अपने नोकरी तकबाक लेल दिल्ली जायबाक निर्णय करैत छथि। पहिल बेर हुनकर कथनमे आत्मप्रशंसाक स्थानपर थकान आ असहायता देखाइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क १ : ट्रेनमे तीन टा बौआ

चारिम कल्लोल : शहरक आइना

संकर्षण जनकपुरसँ जयनगर होइत दिल्लीक ट्रेन पकड़ैत छथि। भीड़मे एक वृद्धा हुनका बौआ कहि सीटमे कनेक ठाम माँगैत छथि। संकर्षण अपनेकेँ बौआ नहि, तीन बौआक पिता बतबैत छथि। गामक प्रतिष्ठा देखेबाक हुनकर आदति अनजान यात्रिक बीचो चलैत अछि, मुदा एतय ओकर कोनो विशेष प्रभाव नहि पड़ैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क २ : अलीगढ़मे पुलिस-चेकिंग

चारिम कल्लोल : शहरक आइना

अलीगढ़मे पुलिस हुनकर सामानक जाँच करैत अछि। लाल काका लेल पत्नी द्वारा देल खेसारीक बिड़ियाकेँ पुलिस मादक पदार्थ बतबैत अछि। संकर्षण अपन निर्दोषता स्पष्ट करबाक प्रयास करैत छथि, मुदा डर देखाओल जाइत अछि आ दिल्लीमे बससँ घर पहुँचबाक लेल जरूरी किछु पैसा छोड़ि शेष रकम लऽ लेल जाइत अछि। जे संकर्षण गोनरकेँ पुलिसक नामपर डरा देने छलाह, से स्वयं पुलिसक भय आ अन्यायक शिकार बनैत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क ३ : लाल काकाक घर

चारिम कल्लोल : शहरक आइना

दिल्लीमे लाल काकाक घर फोनसँ समाचार अबैत अछि जे संकर्षणक बेटा गाम घुरि गेल अछि। लाल काकी हुनका पसीझक काँट जकाँ अनुचित हँसी नहि करबाक शपथ लेबबैत छथि। संकर्षण स्वीकार करैत छथि जे हुनकासँ नोकरी नहि होयत आ गाम घुरबाक इच्छा व्यक्त करैत छथि। लाल काकी दिल्ली घुमि लाल किला देखबाक सुझाव दैत छथि। ट्रेनक अपमानक बाद हुनकर दंभ कमजोर भेल अछि, मुदा आत्मबोध पूर्ण नहि भेल अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क १ : चोर-बजारक ठकान

पाँचम कल्लोल : आत्मबोधक जुत्ता

लाल किलाक पाछाँ रविदिन लगयवला चोर-बजारमे संकर्षण एक जोड़ी जुत्ता देखैत छथि। विक्रेता जुत्ताकेँ पैघ लोकक योग्य आ संकर्षणक सामर्थ्यसँ बाहर कहि हुनकर अहंकारकेँ उकसबैत अछि। घर जनकपुर बुझलापर विक्रेता पड़ोसीक सम्बन्धक बहन्नासँ दाम घटबैत अछि। संकर्षण साढ़े तीन सए टाकामे जुत्ता किनैत छथि आ विक्रेताक पड़ोसीभावक प्रशंसा करैत छथि। वास्तवमे ओ अपन प्रतिष्ठा-मोहक कारण ठकाइत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क २ : सोलक भीतर छिपल सत्य

पाँचम कल्लोल : आत्मबोधक जुत्ता

गाम लौटि संकर्षण जुत्ताकेँ अनमोल वस्तु मानि पानिसँ बचबैत छथि। कनेक दिन पहिरलाक बाद ओकर सोल अलग भऽ जाइत अछि आ हुनका जुत्ता सिअबय पड़ैत छन्हि। गोनरक सोझाँ ओ दिल्लीमे ठकयबाक बात स्वीकार करैत छथि। अपन मैथिल बुद्धिमत्ताक दंभ आ दिल्लीक विक्रेताक चातुरीक तुलना करैत छथि। एहि बेर अपन चोटकेँ सत्कार नहि कहि ओ बुझैत छथि जे ठकान असलमे हुनकर घमण्डमे लगल छन्हि। गोनर हुनकर उपहास नहि करैत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क ३ (उपसंहार) : सूत्रधारक अन्तिम शब्द

पाँचम कल्लोल : आत्मबोधक जुत्ता

> सूत्रधार संकर्षणकेँ केवल एक गामक व्यक्ति नहि, सामान्य मनुष्यक भीतर नुकायल प्रतिष्ठा-मोहक प्रतिनिधि मानैत छथि। कलक्टरक अपमान, पसीझक काँट, कंठी, गोबर, पुलिसक भय आ जुत्ताक ठकान सभक बीच एक सूत्र अछि—सत्यकेँ स्वीकार नहि करबाक प्रवृत्ति। अन्तिम स्वीकृति संकर्षणक परिवर्तनक पहिल डेग थिक। नाटक दर्शककेँ अपन जीवनमे एहन व्यवहारक पहचान करबाक प्रश्न दऽ समाप्त होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

९. उल्कामुख

नाटक-कथा-संसार

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

सूत्रधार आ पात्र-परिचय

सूत्रधार गंगेश आ वल्लभाक प्रेमकेँ नाटकक मूल विषय बतबैत छथि। ई प्रेम स्मरण-विस्मरण, कविता-दर्शन आ सामाजिक विभाजनक संघर्षसँ जुड़ल अछि। तत्त्वचिन्तामणिकारक रूपमे गंगेशक प्रसिद्धि आ हुनकर काव्यक विस्मृतिक प्रश्नसँ उल्कामुखक बिम्ब विकसित होइत अछि। पहिल चारि कल्लोलमे शतरंजक आकृतिक घन कल्पना, भूतकाल आ स्मृतिक संघर्षकेँ धारण करैत अछि। आगाँ गोलाकार पिण्ड आ बदलल पात्रनामक संग कथा सामाजिक यथार्थक रूप ग्रहण करैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पहिल कल्लोल

शतरंजक घन आ गीदरक ध्वनिक बीच गंगेश आ वल्लभा वार्तालाप करैत छथि। वल्लभा दीना-भदरीक लोकगाथा गबैत छथि। देवदत्त शतरंजक चौसठि खानापर धानक दाना क्रमशः दुगुना करबाक गणितीय प्रश्नक रूपमे पुरस्कार माँगैत छथि। ज्ञान आ प्रेमक भविष्यपर आशंकाक संग पहिल कल्लोल समाप्त होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दोसर कल्लोल

शतरंजक घनक बीच गंगेश चिन्तित छथि। देवदत्त पुनः आबि बतबैत छथि जे गंगेशक दार्शनिक रचनापर टीका-भाष्यक परम्परा बढ़त, मुदा कविता विस्मृत भऽ ‘उल्कामुख’ नाम मात्र बनि रहि सकैत अछि। अन्तमे वल्लभा बालाराम आ वंशीधरक लोकगाथा गबैत छथि। गंगेश आ वल्लभाक प्रेमक सामाजिक अर्थ एहि गाथासँ आरो स्पष्ट होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

तेसर कल्लोल

आचार्य व्याघ्र आ आचार्य सिंह भुतहा परिवेशमे प्रकट होइत छथि। आचार्य सरभ अपन शिष्य खिखिर आ शाहीक संग अबैत छथि। दीना-भदरी अपन गाथाक संघर्ष आ उल्कामुखी गीदरक प्रसंगक स्मरण करैत छथि। उत्तरार्द्धमे उदयन, वर्द्धमान, दीना आ भदरी घृणा तथा ईर्ष्याकेँ प्रेमसँ पराजित करबाक संकल्प व्यक्त करैत छथि। 'बुढ़िया डाही' आ कमलदहक बिम्बसँ घृणाक विरुद्ध सामूहिक प्रतिरोध मूर्त होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

चारिम कल्लोल

कमला माइक गीतक बाद दीना-भदरी आ उदयनक संवादमे भातढाला पोखरि, सिमलवन, सेमापुर आ मनिहारीक स्मृति अबैत अछि। आचार्य सरभ उल्कामुखकेँ रोकबाक चिन्तासँ व्याकुल छथि। भगता पृथ्वीक गोलाकार रूप, ओकर घूर्णन आ अन्तरिक्षमे स्थितिक विषयमे अपन शिष्यकेँ बुझबैत छथि। एहि बिन्दुसँ पहिल चारि कल्लोलक कल्पनात्मक संघर्ष अगिला कल्लोलक सामाजिक जीवनमे प्रवेश करैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पाँचम कल्लोल

मंचपर घनक स्थान गोलाकार पिण्ड लैत अछि। गर्भावस्थाक माससभ आ जन्मक लोकगीतक बीच हरपति आ सोहागोक पुत्र गंगाधरक जन्म होइत अछि। बालक गंगाधर पैघ भऽ हीरूक टोल जाइत छथि। चर्मकारक शिल्प आ लोकसंगीतकेँ ज्ञानक क्षेत्रसँ बाहर रखबाक रूढ़ि एहि सम्बन्धक माध्यमसँ चुनौती पबैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

छअम कल्लोल

आठ वर्षक गंगाधरक यज्ञोपवीत संस्कारक विषयमे हरपति आ सोहागो चिन्तित छथि। गंगाधर परिवारक दबावक बीच सप्तरीक वन दिस जायबाक निर्णय करैत छथि। वनक मुक्त शिक्षासँ राजकीय जीवनक परीक्षाक दिशामे गंगाधरक यात्रा आरम्भ होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

राजदरबारमे बुद्धिक परीक्षा

सातम कल्लोल

कीर्ति सिंहक दरबारमे अर्थमंत्री नारायण राजकीय हिसाब मिलयबामे कठिनाइ अनुभव करैत छथि। राजा हुनकर बुद्धिसँ प्रभावित होइत छथि। गंगाधर प्रधानमंत्री बनैत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अनुभव-मण्डल आ सामाजिक परिवर्तन

सातम कल्लोल

गंगाधरक नेतृत्वमे अनुभव-मण्डल जाति तथा स्त्री-पुरुषक भेदसँ मुक्त सहभागिताक पक्ष लैत अछि। स्त्रीशिक्षा, सभक लेल शिक्षा, श्रमक सम्मान आ सम्पत्तिक असमानतापर विचार-विमर्श होइत अछि। मनसुखक पुत्र जीवे आ सेनापति हरिकरक पुत्री मेधाक विवाहक प्रस्ताव सामाजिक समताकेँ व्यवहारमे उतारबाक निर्णायक प्रसंग बनैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

जीवे-मेधाक विवाह आ हत्या

सातम कल्लोल

अनुभव-मण्डलक निर्णयक अनुसार जीवे आ मेधाक विवाह होइत अछि। राजा आ दरबारीक विरोधक परिणति जीवे आ मेधाक जघन्य हत्यामे होइत अछि। गंगाधर बहुमतक निर्णयक सम्मान करैत राजसत्ताक विरुद्ध प्रतिरोधक प्रसंग आगाँ बढ़बैत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अनुभव-मण्डलक प्रतिरोध

सातम कल्लोल

माधव आ हुनकर दू सहयोगी राजदरबारक सोझाँ प्रतिरोधक दायित्व ग्रहण करैत छथि। एहि घटनासभक बाद माधव अपन सहयोगीसभक संग राजदरबार पहुँचैत छथि। उल्कामुखी ताबीज तीनू गोटेक गरासँ निकालल जाइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

गंगाधरक अन्तिम आशंका

सातम कल्लोल

अनुभव-मण्डलक शेष सदस्य एकत्र होइत छथि। ओ चाहैत छथि जे सभ जाति आ स्त्री-पुरुषक लेल खुजल प्रवेश हुनका बादो कायम रहय। नाटक समाप्त होइत अछि, मुदा प्रेम, स्मृति आ समताक रक्षा करबाक प्रश्न अनुत्तरित रहैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समग्र कथासूत्र

‘रंग-संगम’क नओ नाटक अपन अलग-अलग परिवेशमे मनुष्यक विवेक, गरिमा आ उत्तरदायित्वक प्रश्न उठबैत अछि। एहि नाटकसभमे सूत्रधार, लोकगीत, सामूहिक स्वर, प्रकाश, मौन आ प्रतीकात्मक वस्तु कथाकेँ केवल सुनयबाक नहि, मंचपर अनुभव करयबाक माध्यम बनैत अछि। एहि विविध परिणतिसभक बीच विवेकपूर्ण प्रश्न करबाक अधिकार आ मनुष्यक गरिमाक रक्षा समग्र संग्रहक महत्त्वपूर्ण सूत्र थिक।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

१०. व्याप्ति

नाटक-कथा-संसार

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

कथाभूमि आ पात्र

चौदहम शताब्दीक काल्पनिक मिथिलामे कमला नदीक कछेर पर बसल उदयनपुर विद्या आ व्यापारक केन्द्र अछि। दार्शनिक गङ्गेश उपाध्याय आ हुनकर युवा शिष्य ईशान जाँचक केन्द्रमे छथि। नाटक ऐतिहासिक जीवनी नहि, अपितु एक काल्पनिक नाट्यकथा अछि जाहिमे नव्य-न्यायक विवेचन प्रत्यक्ष घटना, प्रमाण, भाषा आ उत्तरदायित्वक माध्यमेँ साकार होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

प्राक्कथन — संशय

मंच पर अन्हार अछि। बालक भीतर छल, एहि कथनक आधार पर सेहो प्रश्न उठैत अछि। गङ्गेशकेँ बजयबाक प्रस्ताव एहि वातावरणमे उठैत अछि। एहि प्राक्कथनमे सम्पूर्ण नाटकक आधार स्थापित होइत अछि—एक घटना अनेक लोककेँ अलग-अलग रूपमे ज्ञात होइत अछि, आ जाँचक कर्तव्य ओहि सभ आंशिक ज्ञानक सीमा स्पष्ट करब अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य १ — राखक भोर

अङ्क १ — प्रत्यक्ष

भोरमे जड़ल भण्डारक सोझाँ माधवक हाथ रस्सीसँ बान्हल अछि। गङ्गेश आबिते माधवक नाम पुछैत छथि आ बिना सिद्ध कारण ओकरा बान्हल रखबाक विरोध करैत छथि। एक सिपाही राखमे भेटल ताला बन्द देखबाक पुष्टि करैत अछि। एहि दृश्यक अन्तमे बालकक मृत्युकेँ मात्र जाँचक एक वस्तु नहि, सभक बीच उपस्थित मानवीय सत्य मानल जाइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य २ — जे देखल गेल

अङ्क १ — प्रत्यक्ष

दू बाँस-पट्ट पर देखल आ मानल तथ्य अलग-अलग लिखल जाइत अछि। माधव अपन पक्ष रखैत अछि। एक सिपाही लोहारक कथन अनैत अछि जे राखमे भेटल छोट ताला मुख्य केवाड़ीक नहि। देवधर भीड़क दबावमे संध्या धरि निष्कर्ष चाहैत छथि। व्याप्तिक खोज आब धुँआ-आगिक उदाहरणसँ आगाँ बढ़ि मनुष्यक जीवन आ न्यायसँ जुड़ि जाइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य ३ — रातिक पाँति

अङ्क १ — प्रत्यक्ष

गङ्गेश जमीन पर साँझसँ भोर धरि एक समयरेखा खींचैत छथि। हरिनाथ रातिभरि मुख्य केवाड़ीक सोझाँ नहि छल। हरिनाथ बतबैत अछि जे ओकर कमरमे मुख्य ताला, उत्तरक छोट निकास आ बाहरी भण्डार-कोठलीक तीन चाबीक गुच्छा छल। गङ्गेश गुच्छा चोरी भेल अथवा हराएल, एहि दुनू निष्कर्षकेँ एखन असिद्ध रखैत छथि। एहि नवीन वस्तुसँ पहिल आरोपक संरचना आरो बदलैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य ४ — दू ताला

अङ्क १ — प्रत्यक्ष

सोझाँ आब दू ताला अछि—राखमे भेटल छोट बन्द ताला आ उत्तर नालीमे कादोमे भेटल पैघ खुलल ताला। हरिनाथ कहैत अछि जे मालतीक आगमनक लेल मुख्य केवाड़ी खोलने छल आ फेर बन्द केने छल। राजकीय लेखा-चौकीक प्रतिलिपिमे पिछला दिनक शेष अन्न चौरासी मन लिखल भेटैत अछि, जखन कि नगरमे मात्र बारह मन बचबाक सूचना छल। प्रत्यक्षक अङ्क निश्चित तथ्यक संग ओहि सभ बातक स्वीकार पर समाप्त होइत अछि जे प्रत्यक्ष रूपेँ स्थापित नहि भऽ सकल।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य १ — धुँआक दिशा

अङ्क २ — अनुमान

गङ्गेशक अध्ययन-ओसारामे ईशान पक्ष, साध्य, हेतु आ व्याप्तिक आधार पर माधवक अपराध सिद्ध करबाक चेष्टा करैत अछि। लाल कोयलामे आगि अछि मुदा धुँआ प्रायः नहि। पानि लऽ कऽ आयल रघुकेँ गङ्गेश कहैत छथि जे माधवक दोष सिद्ध नहि अछि। ज्ञानक निर्माणमे जे सावधानी चाही, ओकर सार्वजनिक अभिव्यक्तिमे सेहो ओतबे सावधानी आवश्यक अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य २ — भट्ठीक धुँआ

अङ्क २ — अनुमान

माधवक आँगनमे अनेक माटिक पात्र टूटल अछि। माधवक हाथ पर पुरान पेशागत चिह्न आ ताजा फफोला अछि। माधव उत्तर देवालक गली दिस हलुक वस्त्र पहिरने एक अस्पष्ट छाया देखबाक बात कहैत अछि। माधवक टूटल पात्र एहि बातक साक्षी बनल रहैत अछि जे गलत वाक्य सुधारल गेलाक बादो ओकर प्रभाव पूर्णतः मेटायल नहि जाइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य ३ — सपक्ष-विपक्षक खेल

अङ्क २ — अनुमान

नगरक चौकमे गङ्गेश तीन घेरा बनबैत छथि। हरिनाथ फेर स्वीकारैत अछि जे रस्सी खींचने छल, मुदा घंटीक ध्वनि स्पष्ट नहि सुनने छल। जटिला नगरक अन्य तेलक नमूनासभसँ तुलना करैत छथि। मालतीक घरक ओसारामे एक काठक लेखा-पट्ट भेटलाक सूचना अबैत अछि। आब जाँच भौतिक चिह्नक संग आर्थिक लेखाक परीक्षण दिस मुड़ैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य ४ — मालतीक लेखा-पट्ट

अङ्क २ — अनुमान

मालतीक घरमे खुलल मसिक डिबिया, आधा भरल घड़ा, ताड़पत्र आ तीन दीप अछि। काठक पट्ट पर 'प्रवेश—सात सय बीस' आ 'राज-पत्र—चारि सय अस्सी' लिखल अछि। राशन-वितरणक ताड़पत्रमे किछु नामक आगाँ प्राप्तिक निशान अनुपस्थित अछि। राजकीय बहीसँ मिलान करबाक निर्णय होइत अछि। ईशान ओकर शेष भाग अनुमान करय चाहैत अछि, मुदा अन्ततः खाली छोड़ैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अङ्क ३ — उपमान

राजकीय बहीक मिलानसँ ४८० धानक बोराक ओहि मासक प्रवेशक संख्या रूपमे भेटैत अछि। ७२० मालतीक पट्ट पर अछि, मुदा ओहि पर राजकीय मोहर नहि। निजी गणना, मूल लेखाक निजी प्रति अथवा त्रुटि—तीनू सम्भावना खुलल अछि। गङ्गेश परिचित वस्तुक संग अपरिचित वस्तुक तुलना द्वारा जाँच आगाँ बढ़बैत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य १ — बाजारक समानता

अङ्क ३ — उपमान

वृद्ध ताला-साज पैघ तालाकेँ अपन बनाओल मुख्य भण्डारक ताला चिन्हैत छथि। हरिनाथ एक महत्वपूर्ण बात स्वीकारैत छथि। जटिला भण्डारक तेल, मालतीक घरक दीप आ अपन तेलक नमूनाक तुलना करैत छथि। देवधर आरोप लगबैत छथि जे विद्वान कखनो निष्कर्ष देबासँ डरि पैघ बातकेँ छोट कऽ दैत अछि। उपमानक उपयोग समानता आ भिन्नताक संयुक्त जाँचमे अछि, व्यक्तिक दोषक स्वतः निर्धारणमे नहि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य २ — जतय पगचिह्न समाप्त

अङ्क ३ — उपमान

नदीघाट पर ओहि स्थानक निरीक्षण होइत अछि जतय पगचिह्न पानि लग समाप्त भऽ गेल छल। अन्तिम स्पष्ट पगचिह्न लग गोल दाबक तुलना बाँसक जुआसँ कएल जाइत अछि। पुरान छप्परसँ उत्तर खेत आ पुरान घाटक बाँध दिस दू बाट जाइत अछि। ईशान माधवक प्रति अपन गलत निष्कर्षक दायित्व स्वीकारैत अछि। एहि दृश्यसँ स्मृति, प्रमाणक नाश आ प्रमाणक अभावक जटिलता स्पष्ट होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य ३ — तीन क्रम

अङ्क ३ — उपमान

जड़ल भण्डारक भीतर तीन समानान्तर रेखा बनाकऽ तीन सम्भावित घटना-क्रमक मौन पुनरभिनय कएल जाइत अछि। दोसर सम्भावना कोनो बाहरी व्यक्तिक मुख्य बाटसँ भीतर प्रवेश कऽ आगि लगाकऽ फेर निकलि जायब अछि। आगिक भीतर आरम्भ होयबाक सम्भावना सभसँ प्रबल भेला परो बालकक मृत्यु बुझबाक लेल निकास आ देरीक स्वतन्त्र जाँच आवश्यक अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य ४ — बन्द केवाड़ी आ देरी

अङ्क ३ — उपमान

उत्तरक छोट निकासक जड़ल चौखट, कुंडी आ बाहरक छल्लाक निरीक्षण कएल जाइत अछि। हरिनाथ स्वीकारैत छथि जे राशन-पट्ट पर नाम कटायल देख नीरज भण्डार आयल छल आ ओ स्वयं ओकरा मालतीसँ पुछबाक लेल भीतर पठौने छल। सुँगा आनलाक बाद हरिनाथ छल्ला तोड़बाक प्रयत्न केलक। आगिक स्रोत, चाबी, चेतावनी आ व्यवस्थाक उत्तरदायित्व अलग-अलग जाँचल जायब शेष अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य १ — मालतीक वापसी

अङ्क ४ — शब्द

भोरसँ पहिने गङ्गेशक ओसारामे पाँच प्रमुख वस्तु राखल अछि—दीपक जड़ल टुकड़ा, छोट बन्द ताला, कटल रस्सी, चाबीक खाली सूत आ नीरजक कटोरा। फुलिया पहिने नीरजक विषयमे पुछैत छथि। मालतीक कथन अनुसार नियमित लेखा साँझे समाप्त भऽ गेल छल। जीवित लौटब मालतीक मृत्यु-अनुमानकेँ समाप्त करैत अछि, हुनकर अन्य क्रियाक जाँचकेँ नहि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य २ — तीन कथन, तीन अभिप्राय

अङ्क ४ — शब्द

मालती, हरिनाथ आ देवधर तीन अलग आसन पर बैसि आगिक रातिक अपन-अपन भूमिका पाँच-पाँच वाक्यमे कहैत छथि। गङ्गेश प्रत्येक वक्ताक ज्ञानक स्रोत पर प्रश्न करैत छथि। मालतीक भय छल जे चाबी आ बही संग पकड़ल गेला पर आगिक दोष हुनके माथ पर देल जाएत। दृश्य स्पष्ट करैत अछि जे एक स्वीकारोक्ति सभ आरोपक प्रमाण नहि, आ सत्यक किछु भाग स्वीकारब शेष कथनसभक सत्यताक स्वतः गारण्टी नहि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य ३ — दू सय चालीसक नाम

अङ्क ४ — शब्द

प्रवेश-पर्ची, दैनिक राजकीय सार आ गुप्त लेखाक तीन गट्ठरक मिलान होइत अछि। माटिक नलीसँ आनल पाँच पातमे २४० अङ्क तीन बेर भेंटैत अछि, जाहिमे दू बेर काटल अछि। देवधर ४८० केर सार्वजनिक दैनिक सार बनयबाक आ २४० केर पात अलग रखबाक निर्देश स्वीकारैत छथि। २४० केर भेद आब केवल लेखाक अङ्क नहि, अकालमे अन्न पयबाक अधिकार आ व्यवस्थागत उत्तरदायित्वक प्रश्न बनैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य ४ — दीप, चाबी, बही

अङ्क ४ — शब्द

मालती अपन सम्पूर्ण घटना-क्रम बतबैत छथि। जटिलाक तेलक परीक्षण, भूसीक जड़ल परत, भीतर भेटल दीपक टुकड़ा, माधवक निर्माता-चिह्न आ पूर्व पुनरभिनय एहि कथनसँ मेल खाइत अछि। ईशान सम्पूर्ण कड़ी लिखैत अछि—गुप्त अन्न, गलत राशन-श्रेणी, नीरजक भण्डारमे प्रवेश, दीपक घटना, बन्द निकास, अनुपलब्ध चाबी, विफल चेतावनी, धुँआ आ देरी। फुलिया तत्काल दोषक नाम लिखबाक बदला जीवित लोककेँ पानि पिआबय कहैत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य १ — एक नामक माँग

उपसंहार — अभाव

जड़ल भण्डारक सोझाँ खुलल प्रांगण आब सार्वजनिक सभा बनल अछि। गङ्गेश ईशानसँ सात प्रस्ताव पढ़बैत छथि। राज-दूत मालती पर सीधे आगि लगयबाक निष्कर्ष चाहैत छथि। राज-दूत देवधरक भण्डार-अधिकार आ मुहर अन्तिम जाँच धरि हटयबाक आदेश दैत छथि। ओकर मानक क्षति पूर्णतः मापल नहि जा सकैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य २ — जे नहि छल

उपसंहार — अभाव

गङ्गेश प्रतिवेदनक संग अज्ञात बातक सूची बनबैत छथि। ईशानक असमय आ गलत निष्कर्ष अफवाहकेँ बल देने छल। फुलिया अन्ततः नीरजक मृत्यु केकर अछि, से पुछैत छथि। गङ्गेश नीरजक खाली कटोरा भरबाक प्रस्ताव करैत छथि। मालती कटायल नामसभ फेर लिखबाक काज आरम्भ करैत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य ३ — खाली कटोरा

उपसंहार — अभाव

साँझमे सभा समाप्त भऽ गेल अछि आ प्रांगण अन्न-वितरणक स्थल बनि गेल अछि। ईशान गङ्गेशसँ ज्ञानक अन्तक विषयमे पुछैत अछि। फुलिया गङ्गेशकेँ एक अन्तिम प्रश्न करैत छथि— पहिल दिन अहाँ ताला, राख, धुँआ आ रस्सी देखलहुँ, मुदा हमरा देखलहुँ? फुलिया लेल न्यायक दृश्यात्मक अर्थ दू कटोरामे अछि। दुनू कटोरा पर समान प्रकाश पड़ैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समग्र कथासार आ दार्शनिक आशय

नाटकक आरम्भमे माधवक धुँआयुक्त वस्त्र, झुलसल हाथ आ अधिकारीसँ विवाद ओकरा सहज आरोपी बनबैत अछि। नीरजक मृत्यु एक अपराधीक नाम मात्रसँ पूर्णतः व्याख्यायित नहि होइत अछि। नाटकक अन्तिम आशय एही द्वैतमे निहित अछि—जे अज्ञात अछि, ओकरा मिथ्या नाम नहि देल जाय; जे प्रमाणित अछि, ओकर उत्तरदायित्व नहि त्यागल जाय; आ जे सुधार सम्भव अछि, ओकरा भविष्यक निर्णय धरि टारल नहि जाय।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

११. जे नाम पोथीमे नहि

नाटक-कथा-संसार

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

नाट्यभूमि आ पात्र

कोसीक विस्तृत जल-मैदानमे बसल काल्पनिक मिथिला-गाम उत्तरसार एहि नाटकक केन्द्र अछि। छियासी वर्षीया धनमन्ती देवी स्त्री-गीत आ पुरान पदक मौखिक परम्पराक वाहक छथि। तीन स्त्री-स्वरक समूह गीत, प्रश्न, श्रम, स्मृति आ सामूहिक पुकारक माध्यमसँ समस्त नाटकमे उपस्थित रहैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

पूर्वरंग : लिखलासँ पहिने

अन्हार मंचपर मेघक गुंजनक बीच तीन स्त्री-स्वर नाम लेबाक, लिखबाक आ नहि बिसरबाक आग्रह करैत अछि। गीतक अन्तिम शब्द पूरा होएबाक पहिने ध्वनि-अंकन यन्त्रक लाल बत्ती जरैत अछि। नाम, लिखित अभिलेख, मौखिक स्मृति आ पानिक जे सम्बन्ध आगाँ सम्पूर्ण नाटकमे विकसित होइत अछि, तकर आरम्भ एहि पूर्वरंगसँ होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय १ | दृश्य १ : ओसारापर ध्वनि

अङ्क १ — पहिल तरंग : स्वर

धनमन्ती देवी अपन घरक ओसारापर बैसल छथि। माधवी ‘काँचहि चान’सँ आरम्भ होइत पद अंकित करय चाहैत छथि। तखने हरिनाथ कपड़ामे बन्हल पोथी लऽ कऽ अबैत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय २ | दृश्य २ : पोथीक वजन

अङ्क १ — पहिल तरंग : स्वर

हरिनाथक घरक पछिला देवालमे सील चढ़ि रहल अछि। हरिनाथ विवाह-जाँचक वास्तविक समस्या स्पष्ट करैत छथि। हरिनाथ ई आग्रह स्वीकार करैत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय ३ | दृश्य ३ : आगन्तुक इतिहासकार

अङ्क १ — पहिल तरंग : स्वर

बढ़ैत जलक बीच प्रभाकर मिश्र माधवीक सन्देश पाबि धनमन्तीक घर पहुँचैत छथि। पन्नाक आरम्भ ‘काँचहि चान’ आ ‘पवन भेल अनाथ’ सुनि धनमन्ती अपन मायक गाओल गीत पहचानैत छथि। प्रभाकर मानैत छथि जे लोकक जीवनमे गीतक भूमिका सेहो महत्त्वपूर्ण अछि, मुदा ओकर माप ऐतिहासिक तिथिक मापसँ अलग होएत।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय ४ | दृश्य ४ : नामक पहिल दरार

अङ्क १ — पहिल तरंग : स्वर

प्रभाकर स्पष्ट करैत छथि जे भेटल पन्नाकेँ ज्योतिरीश्वर-पूर्व महाकवि विद्यापतिक प्रमाण कहि देब उचित नहि। विद्यालय दिससँ आश्रयक व्यवस्था आ नाव तैयार रखबाक पुकार सुनाइत अछि। धनमन्ती सभकेँ नामक बहस छोड़ि आबैत जल सुनबाक लेल कहैत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय ५ | दृश्य १ : विद्यालयक ओसारा

अङ्क २ — दोसर तरंग : सभा

रातिमे विद्यालयक ओसारा अस्थायी आश्रय बनि गेल अछि। अभय पश्चिमक ऊँच बाटसँ विद्यालय पहुँचैत अछि; मोटरसाइकिल आधा कोस पाछाँ छोड़ने अछि। आब विवाहक निजी जाँच सामूहिक विचार-विमर्शक रूप लैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय ६ | दृश्य २ : जाँच सार्वजनिक होइत अछि

अङ्क २ — दोसर तरंग : सभा

विद्यालयक ओसारापर गामक श्रोता आ तीन स्त्री-स्वर उपस्थित छथि। माधवी प्रक्रिया सार्वजनिक होएबाक पक्षमे छथि; प्रभाकर स्पष्ट करैत छथि जे भीड़ विशेषज्ञ प्रमाणक स्थान नहि लऽ सकैत अछि। हरिनाथ सेहो स्वीकार करैत छथि जे पञ्जीकेँ त्रुटिहीन मानबाक सामाजिक प्रवृत्ति रोकब हुनक दायित्व अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय ७ | दृश्य ३ : सभाक भीतर दोसर सभा

अङ्क २ — दोसर तरंग : सभा

बिजलीक अस्थिरताक बीच प्रकाश आ पात्रक मुद्रामे परिवर्तनसँ पुरान दार्शनिक सभाक प्रतिध्वनि बनैत अछि। स्त्रीक नाम इतिहासमे कम लिखल गेल होएब स्त्रीक ज्ञान कम होएबाक प्रमाण नहि। तीन स्त्री-स्वर सुनब, स्मरण आ फेर पुछबाक क्रम व्यक्त करैत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय ८ | दृश्य ४ : सीताक मौन

अङ्क २ — दोसर तरंग : सभा

अभयक पिताक फोन अबैत अछि। धनमन्ती सभकेँ सावधान करैत छथि जे सुमेधाक उत्तर हुनक अपन होएत; दोसर लोक अपन उत्तर हुनक मुँहमे नहि राखथि। विवाहक प्रतीक्षा, सुमेधाक मौन आ बाढ़क तात्कालिक संकट एकहि क्षणमे आमने-सामने आबि जाइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय ९ | दृश्य ५ : नामक पाछाँ नाम

अङ्क २ — दोसर तरंग : सभा

सामान ऊपर पठएबाक श्रमक बीच प्रभाकर लैपटॉपपर बढ़ाओल पद-पन्नाक छवि देखल बात कहैत छथि। हरिनाथ विवाह-जाँच रोकबाक बात कहैत छथि। धनमन्तीक आग्रहपर माधवी ध्वनि-अंकन यन्त्र बन्द करैत छथि, जाहिसँ संकटमे जीबैत मनुष्यक प्रत्येक क्षण अभिलेखमे बदलि नहि जाए।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय १० | दृश्य १ : रिक्त पाँति

अङ्क ३ — तेसर तरंग : नाम

विद्यालयक ऊपरक कोठलीमे लालटेन आ टॉर्चक उजासमे हरिनाथ पञ्जी खोलैत छथि। धनमन्ती रिक्त पाँतिमे अज्ञानक ईमानदार स्वीकारक सम्भावना देखैत छथि। रिक्त वंश-प्रविष्टि एहि प्रकारेँ इतिहासमे स्त्रीक अनुपस्थितिक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय ११ | दृश्य २ : पदक देह

अङ्क ३ — तेसर तरंग : नाम

माधवी आ प्रभाकर पद-पन्नाक भाषा, मसि आ मौखिक पाठक तुलना करैत छथि। धनमन्ती पदक पाँतिसँ बेसी ओकर चालि स्मरण रहबाक बात कहैत छथि। प्रभाकर मूल पञ्जीक रिक्तिमे किछु जोड़बाक बदला पृथक टिप्पणी करबाक सलाह दैत छथि।

अध्याय १२ | दृश्य ३ : दू नामक बीच

अङ्क ३ — तेसर तरंग : नाम

माधवी दू अलग कागदपर दू रूपरेखा रखैत छथि—पूर्व-ज्योतिरीश्वर लोक-विद्यापतिक परिकल्पना आ उत्तरकालीन प्रचलित बहुभाषिक विद्यापति ठाकुर। धनमन्ती कहैत छथि जे कविक नाम बदललासँ गीतक दुख नहि बदलैत, मुदा गलत नाम जोड़लासँ इतिहास बदलि सकैत अछि। दूनूक संयुक्त लिखल ‘नाम’ ककरो निजी स्वामित्वक बदला प्रश्नक नाम बनैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय १३ | दृश्य ४ : जकर नाम नहि

अङ्क ३ — तेसर तरंग : नाम

माधवी संरक्षणक वस्तु, स्रोत, स्थिति आ अनिश्चितताक सूची बनबैत छथि। बड़की मायक वास्तविक नाम नहि भेटितो धनमन्ती हुनक जीवनक तीन स्मृति दैत छथि—जोरसँ हँसब, धान रोपनीमे पाछाँ रहब मुदा गीतमे आगाँ रहब, आ एक आँखिसँ कम देखब। कॉपी नहि भेटला पर ओकर अपुष्ट सामग्रीक विषयमे केवल सत्यापित बात लिखल जाएत।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय १४ | दृश्य ५ : नाम दैत समय

अङ्क ३ — तेसर तरंग : नाम

जल बढ़बाक बीच माधवी पदक अस्थायी अभिलेखीय विवरण पढ़ैत छथि। धार मुड़ैत देख फेकन सभकेँ एक बोरामे आवश्यक वस्तु चुनबाक लेल कहैत छथि। स्त्री-स्वरक अन्तिम कथन रिक्तिकेँ शून्य नहि, स्थान मानैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय १५ | दृश्य १ : नावक पहिल फेरा

अङ्क ४ — चतुर्थ तरंग : जल

विद्यालयक नीचाँ पानि चढ़ि गेल अछि। नाव चलिते नामक पुकार होइत अछि। ओ स्पष्ट करैत छथि जे सही निर्णय करब आ ओकर दुख सहब अलग-अलग बात अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय १६ | दृश्य २ : ऊँच सड़क

अङ्क ४ — चतुर्थ तरंग : जल

पहिल फेराक लोक पुरान पक्का सड़कक ऊँच भागपर उतरैत अछि। सुमेधा विद्यालय घुरय चाहैत छथि, कारण छात्र आ अभय ओतय छथि। चर्चा फेर नावक पुकार सुनि वर्तमानमे घुरि अबैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय १७ | दृश्य ३ : दोसर फेरा

अङ्क ४ — चतुर्थ तरंग : जल

विद्यालयक नीचला भागमे कमर धरि पानि अछि। फेकन पाछाँक बाटसँ नाव अनैत छथि; हरिनाथ बाँससँ गहराइ जाँचैत छथि। हरिनाथ मानैत छथि जे फोटो पाठ बचा सकैत अछि, यद्यपि कागदक भौतिक विशेषता सभ नहि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय १८ | दृश्य ४ : रातिक गणना

अङ्क ४ — चतुर्थ तरंग : जल

दोसर फेरा ऊँच सड़कपर पहुँचैत अछि। धनमन्ती खाँसैत छथि। दूर फेर नावक डाँड़क आवाज सुनाइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय १९ | दृश्य ५ : जे उत्तर नहि देत

अङ्क ४ — चतुर्थ तरंग : जल

फेकनक तेसर फेरा पूब टोलक चारि लोककेँ सुरक्षित अनैत अछि। शिविरमे तिरसठ लोकक गिनती होइत अछि। उत्तर एखन नहि भेटैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय २० | दृश्य १ : उत्तर लिखल गेल

अङ्क ५ — पाँचम तरंग : शेष स्वर

भोरमे फेकन आ माधवी चिकित्सकीय शिविरसँ घुरैत छथि। धनमन्तीक देह चिकित्सकीय शिविरमे अछि; बाट खुललापर परिवार संस्कारक स्थान तय करत। धनमन्तीक रिक्त चौकी मौखिक ज्ञानक ओहि अंशक अनुपस्थिति प्रकट करैत अछि जे अभिलेखमे नहि आबि सकल।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय २१ | दृश्य २ : भीजल अक्षर

अङ्क ५ — पाँचम तरंग : शेष स्वर

दुपहरमे विद्यालयक कोठलीमे भीजल पोथीसभक संरक्षण शुरू होइत अछि। हरिनाथ अपन स्मृतिसँ किछु शब्द पहचानैत छथि। प्रभाकर प्रश्नचिह्नक आवश्यकता बतबैत छथि, जाहिसँ आगामी पाठक अनुमानकेँ प्रमाण नहि मानि लथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय २२ | दृश्य ३ : स्थगित

अङ्क ५ — पाँचम तरंग : शेष स्वर

साँझमे अभय चाह लऽ सुमेधा लग अबैत अछि। दूरसँ लड़कीक उमेर आ घर बसएबाक सामाजिक चर्चा सुनाइत अछि। सुमेधा कागद स्वीकार करैत छथि, कारण गलत निर्णय नहि भेटब सेहो महत्त्वपूर्ण उपलब्धि अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय २३ | दृश्य ४ : नामकरण

अङ्क ५ — पाँचम तरंग : शेष स्वर

माधवी लैपटॉपपर पदक अभिलेख तैयार करैत छथि। माधवीक पूर्व-ज्योतिरीश्वर लोक-विद्यापति परिकल्पना आ प्रभाकरक एक-विद्यापति रूपरेखाक भेद एखनहुँ बनल अछि। एहि स्वीकारक बीच सभक अपन वर्तमान हँसी फेर सुनाइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

अध्याय २४ | दृश्य ५ : शेष स्वर

अङ्क ५ — पाँचम तरंग : शेष स्वर

जल घटि गेल अछि। सुमेधा आँचरक गाँठमे राखल चाक निकालि श्यामपट्टपर अपन चारि पाँति लिखैत छथि। हरिनाथ आ अभय मिलि पञ्जी उठबैत छथि, माधवी पद-पन्ना आ सुमेधा यन्त्र उठबैत छथि। नाटक एकटा निश्चयात्मक उत्तरपर नहि, अगिला मनुष्यक अपन अनुभव आ नाम लिखबाक अवसरपर समाप्त होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

समग्र कथासूत्र

नाटकक तीन प्रमुख कथासूत्र—सुमेधा-अभयक विवाह-जाँच, ‘काँचहि चान’ पदक लेखकत्वक अनुसन्धान आ उत्तरसारक बाढ़-बचाव—परस्पर एक-दोसराक अर्थ विस्तृत करैत अछि। पोथीमे नहि भेटल नामकेँ कल्पनासँ भरब नाटकक उद्देश्य नहि; ओहि नामक खोज लेल स्थान छोड़ब, ज्ञात स्वरकेँ यथारूप बचाएब आ नव स्वरकेँ स्वयं बाजय देब एकर कथात्मक परिणति अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

१२. पानिक लेखा

नाटक-कथा-संसार

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य १ : साँझ

अङ्क १ : पानि चढ़ैत अछि

> बरखाक एक साँझ पुरान जिला अभिलेख-घरमे नाटक आरम्भ होइत अछि। नाव चलौनिहार लछमी सहनी आबि बाढ़िक वास्तविक स्थिति बतबैत छथि। मालती १९८७क पुनर्वास-पञ्जीमे ४१ आ ४२क बीच ४१-क नामक अतिरिक्त प्रविष्टि देखैत छथि, जे पुरान सूचीमे नहि अछि। दृश्य बाढ़िक तात्कालिक संकट आ पुरान अभिलेखक रहस्य दुनूकेँ एक संग स्थापित करैत समाप्त होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य २ : नक्शा

अङ्क १ : पानि चढ़ैत अछि

जिला मुख्यालयक जल-संसाधन सर्वेक्षण दलक ईशान मिश्र अभिलेख-घर अबैत छथि। सूची-पञ्जीमे विशेष आकारक नक्शाक नली बी-चार अंकित भेटैत अछि, मुदा निर्धारित आलमारीमे नली नहि अछि। तीन अभिलेखमे बी-चारक उल्लेख भेटितो ओकर वास्तविक प्रति नहि भेटैत अछि। अन्तमे फेर केवाड़ी पर चोट होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य ३ : नाम

अङ्क १ : पानि चढ़ैत अछि

सोना पासवान तेलिया कपड़ामे सुरक्षित अपन दिवंगत पिता रामलोचन पासवानक कागजसभ लऽ कऽ अभिलेख-घर पहुँचैत अछि। मालती रामलोचनक लिखाइक परिचय रखैत छथि। बाहर पानि बढ़ैत अछि आ आलमारीक पाछाँक दीवार भीजब शुरू होइत अछि। सोनाक पिताक बरखोक खोज आब दीवारक भीतर नुकायल वस्तुक सोझाँ आबि ठाढ़ होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य ४ : पुड़िया

अङ्क १ : पानि चढ़ैत अछि

भीजल दीवारक चौकोर कटावमे अटकल मोमबन्द पुड़ियाकेँ निकालबाक काज आरम्भ होइत अछि। भीतर एक नहि, दूटा सपाट बी-४ नक्शा निकलैत अछि। ईशान तुलना लेल नक्शाक चित्र सुरक्षित करैत छथि। एहि बिन्दु पर प्रथम अङ्कक रहस्य एक ठोस अभिलेखीय विरोधक रूप धारण करैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य ५ : लिखाइ

अङ्क २ : दूटा धरती

लछमी फेर अभिलेख-घर अबैत छथि आ बाढ़िक बढ़ैत खतरा बतबैत छथि। बदलल नक्शाक कोनामे एक हस्तलिखित टिप्पणी भेटैत अछि। सोना लेल ई खोज ओकर पिताक संघर्षकेँ एक व्यक्तिक नामसँ जोड़ि दैत अछि। दू नक्शा आ तैनाती-पञ्जीकेँ जोड़ैत रघुनाथक नामक संग दृश्य समाप्त होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य ६ : स्मृति

अङ्क २ : दूटा धरती

मालती पिता रघुनाथसँ सम्पर्क करबाक प्रयत्न करैत छथि, मुदा फोन नहि लगैत अछि। रघुनाथक प्रतीक्षामे सभ अभिलेख सुरक्षित करबाक काज जारी रखैत छथि। मालती एकक बाद दोसर बी-४ नक्शा हुनका सोझाँ रखैत छथि। अगिला दृश्यक आत्मस्वीकृतिक आधार एतहि बनैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य ७ : ओहि राति

अङ्क २ : दूटा धरती

रघुनाथ १९८७क बाढ़िक प्रसंग सुनबैत छथि। सहायक बद्रीक संग पुरान तथा वर्तमान धारक स्थिति देखलाक बाद रघुनाथ बी-४क सीमा बदलैत छथि। सोना पुछैत अछि जे जकरा लेल रेखा खिसकाओल गेल, तकर विपरीत कात पड़ल लोकक की भेल। रघुनाथक निर्णयसँ एक कात राहत भेटल, मुदा दोसर कातक क्षतिक प्रश्न आब कथाक केन्द्रमे अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य ८ : बाबू मिथ्या नहि बजैत छलाह

अङ्क ३ : सत्यक दाम

पानि नीचला कोठलीमे बढ़ि गेलासँ विवादसँ सम्बन्धित अभिलेख ऊपरक कोठलीमे आनल जाइत अछि। रामलोचनक नोटबुक आ फाटल सहायता-सूची खोलल जाइत अछि। मालती नक्शाक आबादी-चिह्नकेँ विद्यालय-पञ्जी, सहायता-सूची, निजी पत्राचार, फोटो तथा आवेदनसभसँ मिलान करैत छथि। दृश्य नामक पुनःप्राप्ति आ विलम्बित सत्यक पीड़ा पर समाप्त होइत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य ९ : जे घर दोषी नहि

अङ्क ३ : सत्यक दाम

दीनानाथ चौधरी टीनक पेटी आ कागजक पुलिन्दा लऽ कऽ ऊपरक कोठलीमे अबैत छथि। सोना अपन पिताक संघर्ष आ दक्खिनबरियाक काटल नामसभक चर्चा करैत अछि। मालती आ ईशान एहन टिप्पणी तैयार करैत छथि जाहिमे दू विरोधी सीमाक अस्तित्व, १९८७क संशोधनक प्रश्न, ऐतिहासिक बसावटक बहिष्करण आ बादक अधिकार-पत्र सभक उल्लेख हो। पुरान चाबी, रामलोचनक नोटबुक आ रामदेवक पट्टा एक पाँतिमे राखल रहैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य १० : हिसाबक पानि

अङ्क ३ : सत्यक दाम

दीनानाथक गेलाक बाद ईशान अपन पारदर्शी गणना-पत्र दुनू बी-४ नक्शाक ऊपर मिलबैत छथि। लछमी आमबारीक पाछाँ सुखायल नालामे नव जल-प्रवाह देखबाक बात बतबैत छथि। पुरान जल-पथ, रघुनाथक स्मृति, सोनाक नोटबुक, लछमीक ताजा निरीक्षण आ वर्तमान ऊँचाइक जानकारी अलग-अलग तहक रूपमे उपयोग होइत अछि। नीचाँ लछमी दुनू टोलाक बच्चा आ बूढ़केँ पहिने बचयबाक हाँक दैत छथि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य ११ : अभिलेखसभ बाजैत अछि

अङ्क ४ : रातिक बीच

ईशानक संगणक पर गणना चलैत-चलैत रुकि जाइत अछि। किछु नाम सुनिकऽ रघुनाथ पुरान लोकक स्मरण करैत छथि; किछु विवरण हुनका मोन नहि अछि। भीजल न्यायालय-पेटीसँ ४३/१९८८ वादक उल्लेख पढ़ल जाइत अछि। एतयसँ पिता-पुत्रीक अगिला एकान्त संवाद आरम्भ होयबाक स्थिति बनैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य १२ : न्याय नहि

अङ्क ४ : रातिक बीच

रघुनाथ मूल नक्शा अपना लग देबाक आग्रह करैत छथि। पिता अपन निर्णयक बादक मौनक इतिहास बतबैत छथि। मालतीक निर्णय अछि जे दुनू नक्शा सुरक्षित रहत, रामलोचनक प्रमाण आ वर्तमान निवासीक अधिकार-पत्र सेहो। अधूरा बयान दुनू सुरक्षित नक्शाक ऊपर अलग राखल रहैत अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य १३ : एके ऊँच जमीन

अङ्क ५ : भोरसँ पहिने

भोरसँ पहिने माटि धँसबाक, पानि आ लोकक हाँकक आवाज सुनाइत अछि। सोना एक बच्चाक छूटल चप्पल लऽ ऊपर अबैत अछि। रघुनाथ अपन बयान आगाँ लिखबैत छथि। पानि आ भूमि-विवाद एखनहुँ अछि, मुदा जनरक्षाक साझा प्रयास आ सभक नाम दर्ज करबाक प्रक्रिया शुरू भऽ गेल अछि।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

दृश्य १४ : नब पन्ना

अङ्क ५ : भोरसँ पहिने

भोरक उजास पसरैत अछि। रघुनाथ बयानमे अपन काजक कारण कहैत छथि, औचित्य सिद्ध करबाक दावा नहि करैत छथि। अन्तमे लछमी फुलकुमारी नामक एक बच्चीकेँ आनैत छथि, जे अपन माय सीता देवीकेँ खोजि रहल अछि। नाटकक अन्त कोनो सर्वसमाधानसँ नहि, एक नव अभिलेखीय आरम्भसँ होइत अछि, जाहिमे कोनो नामकेँ सुविधा लेल मेटाओल नहि जाय आ अपूर्ण ज्ञानकेँ पूर्ण सत्य नहि मानल जाय।

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/

धन्यवाद

नाटक-कथा-संसार

गजेन्द्र ठाकुर

(c) Gajendra Thakur, Editor, Videha, First Maithili Fortnightly eJournal at https://www.videha.co.in/ & https://videha-ejournal.github.io/videha/